

# जैविक और यौगिक खेती को बढ़ाने का करें प्रयास

चार दिवसीय किसान सम्मेलन में नेपाल तथा देश के हर प्रांत से पहुंचे नौ हजार किसान, केन्द्रीय कृषि मंत्री ने किया उद्घाटन

**शांतिवन।** केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने ब्रह्माकुमारीज के ग्राम विकास प्रभाग की ओर से आयोजित किसान सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा देश किसानों की बढ़ती खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है। उन्होंने कहा कि अब रासायनिक खादों के कम उपयोग तथा जैविक और यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कृषि संबंधित सपनों को पूरा करने में ब्रह्माकुमारी संस्थान मुख्य भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर यह संस्थान अभियान यात्राओं के द्वारा किसानों में जागृति का प्रयास कर रहा है। इससे निश्चित तौर पर किसानों के अच्छे दिन आयेंगे। राजस्थान

सरकार तथा यहां के कृषि विभाग ने इस क्षेत्र में अच्छी तरक्की की है। इससे कृषि सहज हो रही है। संस्था की मुख्य प्रशासिका

संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि किसान जैविक और यौगिक खेती का उपयोग करें, ताकि कम लागत

रहा है। इसके लिए प्रभाग द्वारा किसान जागरूकता अभियान का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है, और उसका

व्यक्त किये।

तपोवन में हो रही जैविक व यौगिक खेती के अवलोकन के अवसर पर निदेशक ब्र.कु. भरत,



कृषि मंत्री राधामोहन सिंह किसानों को सम्बोधित करते हुए। साथ हैं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला, राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर तथा उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू।

राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है। किसानों को बुरी आदतों जैसे व्यसन आदि से बचना है तो उसके लिए आध्यात्मिक शिक्षा अति आवश्यक है।

में अच्छी उपज हो। ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला तथा उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू ने कहा कि पिछले कई सालों से उसके लिए आध्यात्मिक शिक्षा बनाने की दिशा में कार्य कर

सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। देश में जैविक और यौगिक खेती के प्रति किसानों का रुझान बढ़ रहा है जो कि खुशी की बात है। ब्र.कु. सपना समेत कई लोगों ने भी विचार

कलेक्टर संदेश नायक, एस. पी. ओम प्रकाश चौहान, एस. डी.एम. सुरेश ओला, शांतिवन प्रबंधक ब्र.कु. भूपाल, यू.आई. टी. चेयरमैन सुरेश कोठारी, पालिकाध्यक्ष सुरेश सिंदल समेत

● केन्द्रीय किसान मंत्री राधामोहन सिंह शांतिवन में ब्रह्माकुमारीज द्वारा सौर ऊर्जा प्रकल्प का अवलोकन कर अभिभूत हुए, और इसे देश के लिए बेहतर विकल्प बताया।

● इसके साथ ही तपोवन में हो रही जैविक और यौगिक खेती का भी अवलोकन किया तथा इस प्रयास को सराहा। इसे धरती माँ की बेहतर सेहत के लिए व मनुष्य के सुस्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी बताया।

अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## शहर को स्वर्ग का मॉडल बनाएं : शिवानी

● बाह्य स्वच्छता के साथ मन को भी स्वच्छ बनायें ● स्वच्छ सात्विक भोजन का ही करें सेवन ● मेडिटेशन को जीवनचर्या में करें शामिल



दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी, सिन्धी समाज के अध्यक्ष रमेश सामधानी, सिटी केबल डायरेक्टर सत्यनारायण जयसवाल, ब्र.कु. हेमलता, ब्र.कु. जयंती तथा अन्य गणमान्य लोग।

**उज्जैन-म.प्र।** लोग महाकाल दर्शन, परमात्म शक्ति, असीम शान्ति के वायब्रेशन्स लेने की मंसा से उज्जैन आते हैं। यहां इसलिए आते हैं क्योंकि उन्हें शान्ति मिलती है। तब तो यहाँ सभी शान्ति से रहते होंगे? मैं कहीं बाहर गई थी, जहाँ सिर्फ कारपेट ही मिलते हैं, पूरे देश में वहीं से सप्लाई होते हैं। वहाँ हर घर में कारपेट ही मिलते हैं, तो यहाँ हर घर में शान्ति होनी चाहिए। कलयुग में भी यहाँ ऐसा होना चाहिए कि लोग यह कहें कि स्वर्ग का मॉडल देखना हो तो उज्जैन चलें। उक्त विचार जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु.

शिवानी ने क्षीरसागर मैदान में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने जीवन प्रबंधन के उपाय बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति एक दीये के समान है, जो प्यार, सम्मान और विश्वास देता है। देवी-देवता इसीलिए पूजनीय होते हैं क्योंकि वे देने वाले हैं। हम लोगों को प्यार, सुख, सम्मान और शान्ति देना शुरू करेंगे तो अच्छे विचारों का दीप जलेगा। यदि हमारे शुभ विचारों का दीप बुझने लगे तो ज्ञान का घी उसमें तुरंत डालें। **मन को बनाएं स्वच्छता में नंबर वन :** उन्होंने कहा कि

अगर मन स्वच्छ नहीं तो बाहर स्वच्छ नहीं बन सकता। पहले मन को स्वच्छ बनाना होगा। गुस्सा, नाराज़गी, नफरत की भावना, ये ऐसे कचरे हैं जो दिखते नहीं। मन को कंट्रोल कर इनको साफ करना पड़ेगा। न दिखने वाले कूड़े को साफ करने के लिए रोज़ मेडिटेशन करें, चेक करें कि कौन से विचार चल रहे हैं। इनको दूर करने का संकल्प लें। **किचन से दूर हो सकती किच-किच :** किचन, रसोई घर ऐसी पवित्र जगह है जहाँ से पूरे घर में पॉज़ीटिव एनर्जी पहुंचाई जा सकती है। खाना

बनाते समय यह विचार करें कि हम सब स्नेह से रहें, मेरा घर स्वर्ग है, बच्चे अच्छी पढ़ाई करें, शरीर निरोगी हो। जैसा अन्न खायेंगे वैसा मन बनेगा। टीवी ऑन करके, अखबार पढ़ते खाना खायेंगे तो जैसे ही विचार हमारे मन में आयेंगे। **घर परिवार में ऐसे आएगी शान्ति :** उन्होंने कहा कि गुस्सा हमारा स्वभाव नहीं, बीमारी है। इसे ठीक करना होगा, नहीं तो यह बढ़ता ही जाएगा और हमारा स्वभाव बन जाएगा। हर व्यक्ति का संस्कार और व्यवहार अलग होता है। किसी को डांटने या गलती के लिए

बार-बार टोकने से वह नहीं सुधरते। छोटी-छोटी बातों से ही जीवन में तनाव आता है। संस्कार बदलने के लिए राय नहीं दें, प्यार और स्वयं के सुधार से ये बदलते हैं। रोज़ संकल्प करें कि मैं खुद एक शांत आत्मा हूँ। **ये तो सात्विक नगरी है :** उन्होंने आश्चर्य ज़ाहिर करते हुए कहा कि उज्जैन एक सात्विक नगरी है, तो यहाँ कोई तामसिक भोजन कैसे खा सकते हैं! जब एक जीव मारा जाता है तो उससे नफरत की वायब्रेशन आती है और जब प्लेट में आता है तो कहते हैं प्रोटीन है। जब किसी का देहान्त हो जाता

है तो हमारे घर में भोजन नहीं बनता और किचन में, फ्रिज में किसकी बॉडी रहती है? शमशान के नज़दीक घर नहीं लेते और भोजन तामसिक, कैसे संभव है! सुबह उठकर रोज़ अपने मन को सकारात्मक विचारों से भरें। इससे मोबाइल की तरह शरीर की बैटरी दिनभर चार्ज रहेगी, नहीं तो दूसरों का फोन मांगकर काम चलाना पड़ेगा। साथ ही कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. शिवानी ने सभी को पॉज़ीटिव एनर्जी देते हुए गहन राजयोग का अभ्यास कराया।